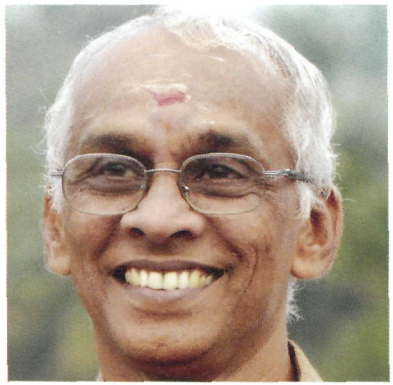

कलामंडलम एम. पी. एस. नम्बूदिरी

अकादेमी पुरस्कार : कथकलि

1 जुलाई 1943 में केरल के त्रिस्सूर जिले में करीक्कड गांव में जन्मे श्री कलामंडलम एम.पी.एस. नंबूदिरी ने कथकलि में अपना प्रशिक्षण केरल कलामंडलम, चेरूथुरूथी में प्राप्त किया तथा अपनी पढ़ाई गोपी, कलामंडलम रमनकुट्टी नायर, कलामंडल पदमनाभन नायर एवं वाज़हेनकडा कुंजु नायर के अधीन पूरी की. अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद आपने 1968 में कलामंडलम संकाय का कार्यभार संभाला और 1998 में प्राचार्य के रूप में सेवानिवृति प्राप्त की. 2007 में आपको केरल कलामंडलम में कथकलि विभाग के अधिष्ठाता के रूप में फिर से नियुक्त किया गया, उस समय इस संस्थान का उन्नयन एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में हुआ था. आजकल वह केरल कलामंडलम के निला परिसर के निदेशक के रूप में नियुक्त हैं, जो कथकलि और अन्य कलाओं में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है.

आज कलामंडलम नंबूदिरी कथकलि के प्रतिष्ठित कलाकारों और शिक्षकों में से एक हैं। आपने पाछा (Pachha), काठी (Kathi) और वेल्लातादी वेशम (Vellatadi veshams) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, और अन्य भूमिकाओं के अलावा कृष्ण, दुर्योधन, हनुमान, कट्टालन (Kattaalan), हमसम (Hamsam) और ब्राह्मण के रूप में आपकी भूमिका के लिए आपको आलोचकों से प्रशंसा प्राप्त हुई है। आपने मुख्यतः ये भूमिकाएं केरल कलामंडलम मंडली के एक सदस्य के रूप में भारत और अन्य देशों में भ्रमण करते हुए निभाई। आपने प्रदर्शन पर्यटन के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, पेरू, जापान, सिंगापुर, थाईलैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और श्रीलंका का दौरा किया है. इसके अतिरिक्त, श्री नंबूदिरी, हवाई विश्वविद्यालय (1979), लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (1980), और संयुक्त राज्य अमेरिका में मैडिसन विस्कॉनसिन विश्वविद्यालय (1992, 1998) में अतिथि संकाय रहे हैं। आपने कोलकता में पदातिक (1985) में, हवाई (1979) में, डेनमार्क (1985) में, और जर्मनी (1999) में पारंपरिक थिएटर पर सेमिनार के लिए योगदान दिया है। आपने कथकलि पर मलयालम और अंग्रेजी में कई लेख प्रकाशित किए हैं।

2007 में कथकली प्रदर्शन के इतिहास पर किल्लीमंगलम वासुदेवन नंबूदिरीपाद के सहलेखन से आपकी पुस्तक – जिसका शीर्षक था कथकलीयुदे रंगपदा चित्रम – का प्रकाशन मातृभूमि द्वारा किया गया.

श्री नंबूदिरी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए केरल कलामंडलम पुरस्कार (2009) सहित कई अन्य सम्मान भी प्राप्त किए हैं।

कलामंडलम एम.पी.एस. नंबूदिरी को कथकलि में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।